No. of Printed Pages : 4 **MES-051**

04065

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2015

MES-051 : PHILOSOPHICAL AND SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : (i) *All questions are **compulsory**.*

(ii) *All questions carry **equal** weightage.*

---

1. Answer the following question in about **600** words :

Describe various domains of philosophical inquiry. Also discuss the modern positivistic view of philosophy.

OR

What is meant by social change ? Discuss the role of education in bringing social change in present Indian context.

2. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the relevance and implications of educational ideas of Swami Vivekananda in current educational scenario.

OR

Explain the terms liberalization, Privatization and globalization. Critically examine the impact of globalization on education system in India.

3. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Education as indoctrination.

(b) Relation between philosophy and education.

(c) Educational implications of Jainism.

(d) Functionalist perspective of social change.

(e) Cultural imperialism and education.

(f) School as a sub-system of society.

4. Answer the following question in about **600** words :

"Despite number of efforts, Indian education system is confronted with a number of issues". Critically examine the different issues involved in Indian education today.

एम.ई.एस.-051

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : दार्शनिक परिपृच्छा (Philosophical inquiry) के विविध शैक्षिक प्रभाव क्षेत्रों (domains) का वर्णन कीजिए। दर्शन के आधुनिक प्रत्यक्षवादी दृष्टिकोण/मत/विचार (Modern Positivistic view of Philosophy) की भी चर्चा कीजिए।

अथवा

सामाजिक परिवर्तन का क्या अर्थ है? वर्तमान भारतीय सन्दर्भ में सामाजिक परिवर्तन लाने में शिक्षा की भूमिका की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : अद्यतन शैक्षिक परिदृश्य में स्वामी विवेकानन्द के शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता और निहितार्थों की चर्चा कीजिए।

अथवा

उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण शब्दों की व्याख्या कीजिए। भारत में शिक्षा व्यवस्था पर वैश्वीकरण के प्रभाव का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग **150** शब्दों में होना चाहिए :

(a) मतारोपण/मतशिक्षण के रूप में शिक्षा। (Education as indoctrination)

(b) शिक्षा और दर्शन में सम्बन्ध।

(c) जैनधर्म के शैक्षिक निहितार्थ।

(d) सामाजिक परिवर्तन के प्रकार्यवादी/ कार्यक्रियावादी परिप्रेक्ष्य। (Functionalist perspective of social change).

(e) सांस्कृतिक साम्राज्यवाद और शिक्षा।

(f) समाज की उप-व्यवस्था के रूप में विद्यालय। (School as a sub-system of society)

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

"अनेक प्रयासों के बावजूद भारतीय शिक्षा पद्धति अनेक समस्याओं का सामना कर रही है।" आज भारतीय शिक्षा में अन्तर्निहित विभिन्न समस्याओं/मुद्दों का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।